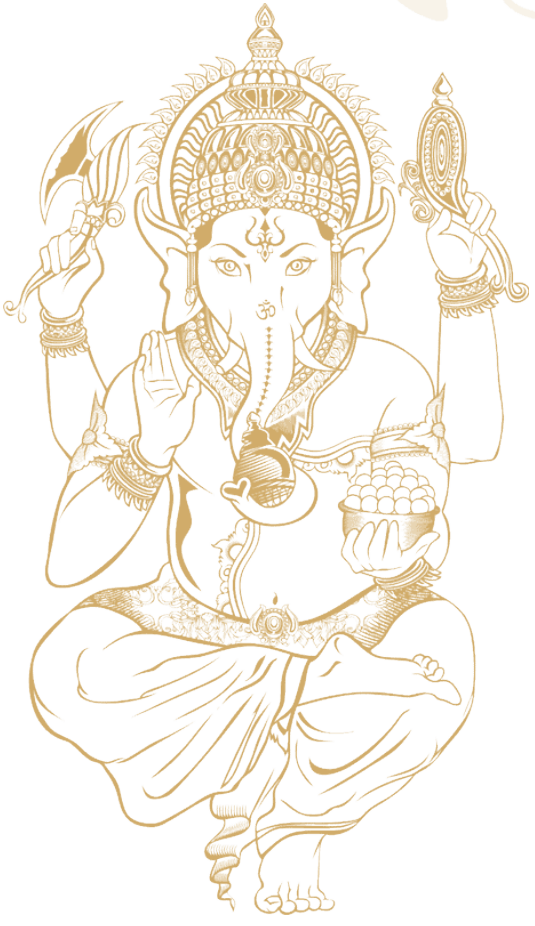

Sisodiya

13 Jan 2026

11:44 AM

Bhopal

Model: web-freekundliweb

Order No: 120920202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/01/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:44:00 घंटे**
इष्ट	11:39:56 घटी
स्थान	**Bhopal**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:17:00 उत्तर
रेखांश	77:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:23:52 घंटे
वेलान्तर	-00:08:36 घंटे
साम्पातिक काल	18:54:51 घंटे
सूर्योदय	07:04:01 घंटे
सूर्यास्त	17:53:49 घंटे
दिनमान	10:49:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	28:50:15 धनु
लग्न के अंश	23:59:50 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शूल
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजवन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	23:59:50	471:25:54	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	---
सूर्य			धनु	28:50:15	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			तुला	27:13:43	11:50:21	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	धनु	27:54:35	00:46:27	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	23:36:03	01:36:23	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:29:41	00:08:04	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	00:24:26	01:15:28	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शनि			मीन	02:46:16	00:04:34	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:00:05	00:05:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:00:05	00:05:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:26:35	00:01:07	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:28:38	00:01:08	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	08:52:33	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	18:23:48	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:21

लग्न-चलित

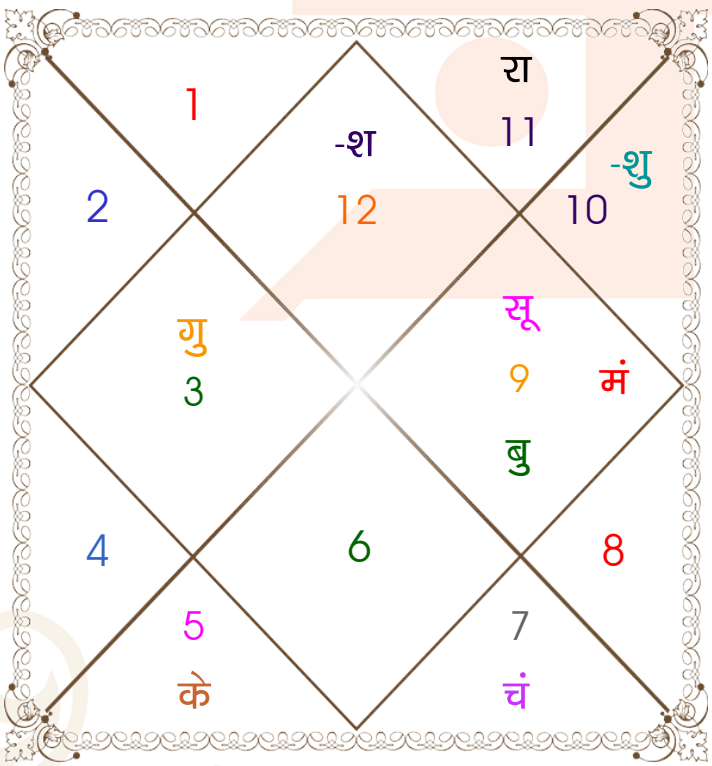

चन्द्र कुंडली

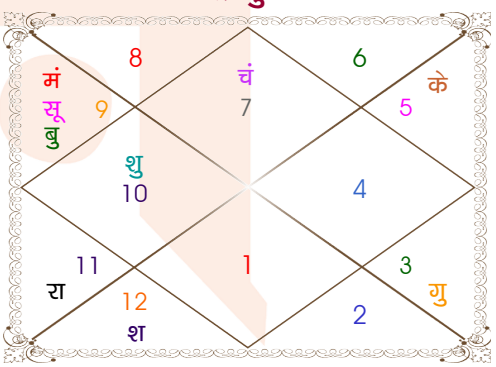

नवमांश कुंडली

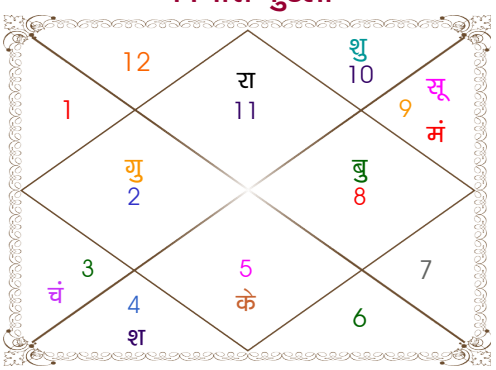

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 7 वर्ष 3 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
13/01/2026		12/05/2033		11/05/2052		12/05/2069		11/05/2076	
12/05/2033		11/05/2052		12/05/2069		11/05/2076		11/05/2096	
	00/00/0000	शनि	14/05/2036	बुध	08/10/2054	केतु	08/10/2069	शुक्र	11/09/2079
	00/00/0000	बुध	23/01/2039	केतु	05/10/2055	शुक्र	08/12/2070	सूर्य	10/09/2080
	00/00/0000	केतु	02/03/2040	शुक्र	05/08/2058	सूर्य	15/04/2071	चंद्र	12/05/2082
	13/01/2026	शुक्र	03/05/2043	सूर्य	12/06/2059	चंद्र	14/11/2071	मंगल	12/07/2083
शुक्र	23/11/2027	सूर्य	14/04/2044	चंद्र	10/11/2060	मंगल	11/04/2072	राहु	12/07/2086
सूर्य	10/09/2028	चंद्र	13/11/2045	मंगल	07/11/2061	राहु	30/04/2073	गुरु	12/03/2089
चंद्र	10/01/2030	मंगल	23/12/2046	राहु	27/05/2064	गुरु	05/04/2074	शनि	11/05/2092
मंगल	17/12/2030	राहु	29/10/2049	गुरु	02/09/2066	शनि	15/05/2075	बुध	12/03/2095
राहु	12/05/2033	गुरु	11/05/2052	शनि	12/05/2069	बुध	11/05/2076	केतु	11/05/2096

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
11/05/2096		13/05/2102		12/05/2112		13/05/2119		13/05/2137	
13/05/2102		12/05/2112		13/05/2119		13/05/2137		00/00/0000	
सूर्य	29/08/2096	चंद्र	13/03/2103	मंगल	09/10/2112	राहु	23/01/2122	गुरु	01/07/2139
चंद्र	28/02/2097	मंगल	12/10/2103	राहु	27/10/2113	गुरु	18/06/2124	शनि	11/01/2142
मंगल	05/07/2097	राहु	12/04/2105	गुरु	03/10/2114	शनि	25/04/2127	बुध	18/04/2144
राहु	30/05/2098	गुरु	12/08/2106	शनि	12/11/2115	बुध	11/11/2129	केतु	25/03/2145
गुरु	18/03/2099	शनि	13/03/2108	बुध	08/11/2116	केतु	30/11/2130	शुक्र	14/01/2146
शनि	28/02/2100	बुध	12/08/2109	केतु	06/04/2117	शुक्र	30/11/2133		00/00/0000
बुध	05/01/2101	केतु	13/03/2110	शुक्र	06/06/2118	सूर्य	24/10/2134		00/00/0000
केतु	13/05/2101	शुक्र	12/11/2111	सूर्य	12/10/2118	चंद्र	24/04/2136		00/00/0000
शुक्र	13/05/2102	सूर्य	12/05/2112	चंद्र	13/05/2119	मंगल	13/05/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 7 वर्ष 3 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।